

# दिल्ली राजपत्र Delhi Gazette

असाधारण

EXTRAORDINARY

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 34]	दिल्ली, बुधवार, मार्च 5, 2014/फाल्गुन 14, 1935	[ रा.रा.क्षे.दि. सं. 255
No. 34]	DELHI, WEDNESDAY, MARCH 5, 2014/PHALGUNA 14, 1935	[N.C.T.D. No. 255

भाग—IV

PART—IV

राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र दिल्ली सरकार

GOVERNMENT OF THE NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI

वित्त (राजस्व-1) विभाग

अधिसूचनाएं

दिल्ली, 5 मार्च, 2014

सं. फा. 3(27)/वित्त/(राज.-1)/2013-14/डीएसVI/291.— दिल्ली मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2004 (2005 का दिल्ली अधिनियम 03) की धारा 102 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल दिल्ली मूल्य संवर्धित कर नियमावली, 2005 का पुनः संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त शीर्षक एवं प्रारंभ .— (1) इस नियमावली को दिल्ली मूल्य संवर्धित कर (संशोधन) नियमावली, 2014 कहा जायेगा।  
(2) यह दिल्ली राजपत्र में उनके प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगा।
2. नियम 67 में संशोधन :— इस नियमावली के नियम 67 के उप नियम (1) तथा उसके साथ परन्तुक को हटाया जायेगा।
3. फार्म डीवैट 38 में संशोधन .— इस नियमावली के साथ दिये गये फार्म डीवैट 38 के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—



1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
		कुल योग								

## 5. भुगतान का विवरण, यदि कोई हो

क्रम संख्या	भुगतान की तिथि	चालान आई डी	बैंक शाखा का नाम	जमा राशि (रुपये)				
				कर	व्याज	अर्थदण्ड	अन्य	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	कुल योग							

## 6. जमा डी वेट 39 का विवरण

क्रम संख्या	अधिनियम	कर अवधि	आदेश का प्रकार कर & व्याज (24) / अर्थदण्ड (24क) / कोई अन्य	आदेश/पावति संख्या	आदेश की तिथि/सूचना	आदेश/सूचना की सर्विस करने की तिथि	देरी की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8

## 7. कर निर्धारण के बाद प्राप्त सांख्यिक प्रपत्रों का विवरण (कर निर्धारण के समय जो नहीं थे)

क्रम संख्या	कर अवधि/तिमाही	प्रपत्र का प्रकार	राज्य	व्यापारी/पार्टी को जारी टिन संख्या	पार्टी का नाम	पार्टी का पता	प्रपत्रों का मूल्य (वास्तविक)	सीरिज संख्या	प्रपत्र संख्या	जारी तिथि	जारी करने वाला कार्यालय
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	कुल योग										

नोट - आपत्ति दर्ज करते वक्त या आपत्ति कार्रवाई के दौरान प्राप्त प्रपत्र, लाभ प्राप्त करने हेतु फाइल किए जाएंगे।

इसी प्रकार उच्च न्यायालयों के न्यायाधिकरण के समक्ष प्रस्तुत प्रपत्र का विवरण भी उपर्युक्त ब्लॉक 7 में, वर्ष, संस्थान संख्या, वाद की तिथि और न्यायालय का नाम सहित दिखाना है।

## 8. कर निर्धारण करने के बाद डी वेट के तहत अनुलग्नक 2ए/2बी के विसंगति के शुद्धीकरण का विवरण

क्रम संख्या	कर अवधि	आई.टी.सी. दावा	कर निर्धारण आदेशानुसार आईटीसी विसंगति की राशि	कर निर्धारण के आदेश के बाद मिलान की गयी आईटीसी की राशि	कर निर्धारण आदेशानुसार जमा किये आउटपुट टैक्स में कमी की राशि	कर निर्धारण आदेश के बाद मिलान किया गया आउटपुट टैक्स की राशि	अदा की गई कर की राशि यदि कोई हो, ऊपर दिये मद 3 और 5 में सम्मिलित
1	2	3	4	5	6	7	8
	कुल						

क्रम संख्या	अधिनियम	पावती की आई डी संख्या	पावती की तिथि	निष्पादन की समाप्त तिथि	अधिकारी का नाम जिसके निर्णय ना लेने या कर निर्धारण आदेश जारी करने के विरुद्ध में आपत्ति दर्ज की जा रही है।
1	2	3	4	5	6

\_\_\_\_\_

**नोट -**अगर जगह कम पड़े तो अतिरिक्त पेज जोड़े ।

12. सत्यापन

मैं/ हम ..... इसके द्वारा निष्ठा पूर्वक घोषणा करता हूँ/ करते हैं कि इसमें उक्त दी गई जानकारी मेरी /हमारी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सही है और इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है ।

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर .....

पूरा नाम - प्रथम नाम, मध्यम नाम, उपनाम .....

पदनाम .....

स्थान .....

तिथि		
	दिन	

माह	

वर्ष			

4. फार्म डीवैट 17 में संशोधन :- इस नियमावली के साथ दिये गये फार्म डीवैट 17 में ब्लॉक आर-5 जो "समझौता/आउटपुट कर की गणना" से संबंधित है में :-

(i) पंक्ति आर-5,2 के बाद निम्नलिखित को जोड़ा जायेगा ।

[illegible]

(ii) विद्यमान पंक्ति "आर-5.3 समझौता/आउटपुट कर उपजोड, (आर 5.1 + आर 5.2)" को हटाया जायेगा ।

(iii) पक्ति आर-5.4 "पिछले कर अवधि का अग्रणीत शेष राशि" के बाद निम्नलिखित को जोड़ा जायेगा।

"आर 5.4(1) - घटा : स्रोत पर काटा गया कर (वेबसाइट से डाउनलोड किया/किये गए टी.डी.एस. प्रमाण पत्र डीवैट 56 के साथ संलग्न करें)

क्रम सं.	फॉर्म डीटैल-43 आई.डी. नं.	तारीख	राशि

(iv) पंक्ति आर 5.5 शुद्ध कर [आर 5.3 – आर 5.4] को निम्नलिखित पंक्ति आर 5.5 शुद्ध कर [आर 5.3 – आर 5.4 – आर 5.4(1)] द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा।

5. विवरणी फार्म डीवैट-18 के परिशिष्ट 2ख एवं फार्म डीवैट-31 में संशोधन. — इस नियमावली के साथ दिये गये फार्म डीवैट 16 के परिशिष्ट 2 ख के कॉलम संख्या-27 में तथा फार्म डीवैट 31 के कॉलम संख्या-27 में शब्द "सिविल" को हटाया जायेगा।

6. फार्म डीवैट 51 का हटाया :- इस नियमावली के साथ दिये गये फार्म डीवैट 51 को हटाया जायेगा ।

Delhi, the 5th March, 2014

3. **Amendment of Form DVAT 38.-** In the said rules, in forms appended thereto, for Form DVAT -38, the following shall be substituted, namely:-

### Objection Form under Delhi Value Added Tax Act, 2004

The \_\_\_\_\_

<b>1. Identification</b>					
<b>1.1 TIN</b>					
<b>1.2 Full Name of Dealer</b>					
<b>1.3 Address</b>					
<b>1.4 Mobile No.</b>					
<b>1.5 Is Hearing required?</b>	Yes	No			

## Year -

Sr No.	Act	Tax Period	Type of order [Tax & Interest (24) / Penalty (24A) / Any Other]	Order No.	Date of order / Notice	Date of Service of order / Notice	Amount of Demand (Rs.)			
							Tax	Interest	Penalty	Total
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
		<b>Total</b>								

1013 D 6/14-2

Sr No.	Act	Tax Period	Type of order [Tax & Interest (24) / Penalty (24A)/ Any other	Order No.	Date of order/ Notice	Amount of Demand (Rs.)			
						Tax	Interest	Penalty	Total
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
		<b>Total</b>							

4. Amount of demand in dispute (Rs.)									
Sr No.	Act	Tax Period	Type of order [Tax & Interest (24) / Penalty (24A)/ Any other	Order No.	Date of order/ Notice	Amount of Demand (Rs.)			
						Tax	Interest	Penalty	Total
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
		<b>Total</b>							

Sr. No.	Date of payment	Challan ID	Name of Bank Branch	Amount paid (Rs.)				
				Tax	Interest	Penalty	others	Total
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	<b>Total</b>							

[illegible][illegible]

**Note** – The information relating to the forms received at the time of filing objection or during the objection proceedings shall be filed for availing the benefit of the forms. Similarly, information for forms produced before Tribunal or Higher courts, shall also be filed in the above block (7), duly mentioning year, institution no. & date of the case and name of court.

**8. Details of the rectification of mis-match of Annexure 2A/2B under DVAT after framing of assessment.**

Sr. No.	Tax Period	ITC claimed	Amount of ITC mis-match as per assessment order	Amount of ITC matched after assessment order	Amount of output tax short paid as per assessment order	Amount of output tax matched after assessment order	Amount of tax paid, if any included in the Item 3 & 5 above.
1	2	3	4	5	6	7	8
	<b>Total</b>						

**9. Details of the objection filed under section 74(2)**

Sr No.	Act	Receipt ID	Receipt date	Expected date of disposal	Name of Authority against whose failure to decide or to issue any assessment or order the objection is being filed
1	2	3	4	5	6

**10. Detailed Grounds of Objection / Appeal (point-wise)**

Note – Attach separate sheet if space is insufficient.

**11. List of all documents/ evidence that you want to be considered regarding your objection**

**12. Verification**

I/We \_\_\_\_\_ hereby solemnly affirm and declare that the information given hereinabove is true and correct to the best of my/our knowledge and belief and nothing has been concealed there from.

Signature of Authorised Signatory  
Full Name (first name, middle, surname)

\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_

Designation/Status

Place

Date		
	Day	

Month	
-------	--

Year			
------	--	--	--

**4. Amendment in Form DVAT 17.- In the said rules, in forms appended thereto, in Form DVAT –17, in block R5 regarding of "Computation of composition/output tax" -**





	ई-2 और सी (प्राप्त नहीं)						0		
	ई-1 प्राप्त नहीं, सी प्राप्त						2		
	ई-2 प्राप्त नहीं, सी प्राप्त						2		
	कुल कर								

आर 4- दायित्व

(राशि रुपये में)

क्रम सं०	देय कर (आर 3 के कॉलम 10- कॉलम 11)	ब्याज	जोड़ (2+3)	भुगतान की गई राशि	देय शेष राशि
1	2	3	4	5	6

आर-5 आर 4 के कॉलम 5 से संबंधित भुगतान विवरण

क्रम संख्या	भुगतान की तिथि	चालान आईडी	बैंक की शाखा का नाम	भुगतान की गई राशि (रु. में)		
				कर	ब्याज	जोड़
1	2	3	4	5	6	7
	जोड़					

आर-6 प्राप्त प्रपत्रों का विवरण (सी/ई-1/ई-2/एफ/एच/आई/जे प्रपत्र) (आर 3 से संबंधित)

क्रम सं०	कर अवधि/तिमाही	फार्म का प्रकार	राज्य	जारी करने वाले व्यापारी का टिन	पार्टी का नाम (पक्षकार)	पार्टी का पता	प्रपत्र में दी गयी प्रापत्रों की राशि	सीरिज संख्या	फॉर्म संख्या	जारी करने की तिथि	जारी करने वाला कार्यालय
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	कुल योग										

आर 7 - जिस वर्ष के लिए विवरणी प्रस्तुत की जा रही है, उस वर्ष से पहले तीन पूर्ववर्ती वर्षों से संबंधित प्रपत्रों की विलंबता

आर 7.1 सांविधिक प्रपत्रों की कमी के लिए निर्धारित प्रपत्रों का कर निर्धारण विवरण

क्रम संख्या	वर्ष	कर अवधि	कर निर्धारण आदेश/नोटिस की संदर्भ संख्या	कर निर्धारण आदेश/नोटिस की तिथि	भुगतान की गयी राशि	क्या आपत्ति या अपील दायर की गयी है, (हो या नहीं)	यदि कॉलम 7 में हां है, तो वर्तमान स्थिति। (लंबित या निष्पादित)
1	2	3	4	5	6	7	8

आर 7.2- आर 7.1 के कॉलम 6 से संबंधित भुगतान

क्रम संख्या	भुगतान की तिथि	चालान आईडी	बैंक की शाखा का नाम	भुगतान की राशि (रुपये में)			
				कर	ब्याज	अर्थ दंड	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8
	कुल योग						

आर 7.3 उन लंबित प्रपत्रों का विवरण जिनके लिए कर अभी निर्धारित नहीं किया गया है

[illegible]

आर 7.4 - आर 7.3 के कॉलम 9 से संबंधित भुगतान का विवरण

क्रम संख्या	भुगतान की तारीख	चालान आई.डी.	बैंक शाखा का नाम	भुगतान की गयी राशि (रुपये में)		
				कर	व्याज	कुल
1	2	3	4	5	6	7
	कुल					

आर 7.5 - प्राप्त हुए प्रपत्रों का विवरण (सी/ई-1/ई -II/एफ/एच/आई/जे/) (आर 7.3 से संबंधित )

(मूल्य रुपयों में)

[illegible]

## आर.8-सत्यापन

मैं/हम _____ इसके द्वारा निष्ठा पूर्वक घोषणा करता हूँ/करती हूँ/करते हैं मेरे/हमारे पूरे विश्वास और जानकारी के अनुसार उक्त दी गयी सूचना सत्य एवं सही है तथा उसमें से कुछ भी नहीं छिपाया गया है।	
अधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर _____	
पूरा नाम (प्रथम, मध्य व उपनाम) _____	
पद/स्थिति _____	
स्थान	
दिनांक	
दिन	माह वर्ष

## निर्देश:-

- सभी व्यापारी, जिन्होंने किसी वर्ष या तिमाही, जैसा भी हो, में केंद्रीय विक्रय अथवा स्टॉक स्थानांतरण संवैधानिक फॉर्म के द्वारा किया हो, इस विवरणी को वार्षिक भरेंगे। प्राप्त हुए फॉर्म का विवरण उन्हें तिमाही अनुसार देना होगा। यह एक कर अवधि या एक से अधिक कर अवधि के लिए फाईल की जा सकती है, किंतु साल की बिक्री कर अवधियों की सूचना जोड़ने के लिए मूल विवरणी को संशोधित करना आवश्यक होगा। संशोधित विवरणी पूर्व सभी कर अवधियों की सूचना के साथ होगी। विवरणी को दिए गए समय में दी गयी सूचना को ठीक करने अथवा दुरुस्त के लिए दिए गए समय में संशोधित किया जा सकता है। अधिनियम या नियमों के संदर्भ में आखिरी विवरणी ही, चाहे मूल या संशोधित जैसा भी हो, मान्य होगी।
- कुल बिक्री राशि दिल्ली मूल्य रुवर्धित कर अधिनियम के सेक्शन 2(1)(Zm) के तथा केंद्रीय बिक्री कर अधिनियम के सेक्शन 2(j) के अनुसार व्यापारी द्वारा किए गए संवैधानिक फॉर्म के द्वारा कुल विक्रय की राशि होगी। आखिरी विवरणी सी.एस.टी. फॉर्म 1 में बतायी गयी कुल बिक्री राशि ही इस विवरणी में दर्शनी है।
- जो भी सामान किसी खरीददार/कंसाईनी अथवा शाखा द्वारा निर्धारित समय में वापस किया जाता है, उसकी सूचना उसी तिमाही में देनी होगी जिसमें सामान को बेचा या सप्लाई किया गया था।
- ब्लॉक आर. 3 एवं आर. 6 में फॉर्म में दर्शायी गयी फॉर्म की राशि ही भरनी है, यद्यपि आर. 7 के कॉलम 6 में फॉर्म में सन्निहित सामान की शुद्ध विक्रय राशि (केंद्रीय कर, भाड़ा, सामान वापसी की राशि को छोड़कर) दर्शानी होगी।
- फॉर्म में अधिक राशि का मतलब यह है कि अगर फार्म की राशि में केंद्रीय कर या अन्य कोई खर्चा-जैसे भाड़ा या सामान वापसी की कीमत सन्निहित हो। कर हेतु बिक्री राशि से उपर की राशि को अधिक राशि कहा जाएगा। किसी कर अवधि में किए गए विक्रय अथवा स्टॉक स्थानांतरण का विवरण उसी कर अवधि में दिया जाएगा, चाहे खरीदा अथवा प्राप्तकर्ता ने वह सामान अगली कर अवधि में प्राप्त किया हो।
- फॉर्म के लंबित होने का अर्थ वह बिक्री राशि है, जिसके संदर्भ में संवैधानिक फार्म विवरणी के दाखिल करने की तारीख तक नहीं प्राप्त हुए हैं।
- जारीकर्ता व्यापारी अथवा पार्टी के पंजीकरण अथवा टिन नं. का अर्थ उस व्यापारी का पंजीकरण अथवा टिन नं. है, जिसने दिल्ली के व्यापारी को रियायती दर पर विक्रय करने/स्टॉक स्थानांतरण हेतु संवैधानिक फॉर्म जारी किए हैं।
- डीवैट अधिनियम में कर की दर का अर्थ डीवैट अधिनियम, 2004 में दिए गए अनुसूची में दर्शायी गयी दर है।
- ब्लॉक आर. 3 एवं आर. 7 के संदर्भ में हर प्रकार की विक्रय/स्टॉक स्थानांतरण को कुल योग पंक्ति से पहले दर्शाना है। सी फॉर्म के द्वारा किया गया आम विक्रय तथा ट्रांजिट सेल जो सी एवं ई फॉर्म के द्वारा होती है, दोनों को अलग-अलग दर्शाना है। ट्रांजिट सेल के मामले में फॉर्म सी एवं फॉर्म ई 1/ई 2 के विवरण अलग-अलग भरने हैं। ट्रांजिट सेल से संबंधित सी फॉर्म का विवरण उपर की पंक्तियों में देना है एवं उनके सामने आर. 3 के कॉलम 3 तथा आर. 7.3 के कॉलम 4 में सी ई 1 अथवा सी ई 2 दर्शाना होगा। कर देयता की गणना करने के लिए यदि सी फॉर्म प्राप्त हुआ है, उस मामले में चाहे ई 1/ई 2 प्राप्त हुआ हो या नहीं, उस बिक्री राशि जिसका सी फॉर्म प्राप्त नहीं हुआ है उस पर डीवैट अधिनियम के अंतर्गत दिए गए कर की दर लागू होगी। यदि सी फॉर्म प्राप्त हुआ है उस मामले में चाहे ई 1/ई 2 प्राप्त हुआ हो या नहीं, तब उस पंक्ति के विषय में कर देयता शून्य होगी, किंतु ऐसे ट्रांजेक्शन में कर देयता निचली पंक्तियों में दिए गए ई 1/ई 2 के विवरण पर निर्भर करेगी।
- आर. 3 तथा आर. 7.3 की निचली पंक्तियां जो फॉर्म ई 1/ई 2 के विवरण से संबंधित हैं ई 1/ई 2 की टर्न ओवर उस ट्रांजेक्शन में उस व्यापारी द्वारा किए गए विक्रय की राशि होगी न कि क्रय राशि जिस पर वह माल खरीदा गया था। ऐसे मामले में कर देयता की गणना 2 प्रतिशत की दर से की जाएगी, जिसमें सी फॉर्म प्राप्त हुआ हो किंतु ई 1/ई 2 प्राप्त नहीं हुआ हो। दूसरे शब्दों में ऐसी ट्रांजेक्शन आम सी फॉर्म के विक्रय के समान होगी। ट्रांजिट सेल के बाकी सभी मामलों में ई 1/ई 2 फॉर्म के संदर्भ में कर देयता निचली पंक्तियों के लिए शून्य होगी, चाहे ई 1/ई 2 फॉर्म प्राप्त हुए हों या नहीं।
- कुल कर की देयता उपरी एवं निचली पंक्तियों की कर देयता का योग होगा।
- जिस तारीख से कर की देयता बनती है, उस तिथि से निर्धारित दर पर ब्याज लगाया जाएगा।





**No. F. 3(27)/Fin.(Rev-I)/2013-14/dsVI/292.**— In exercise of the powers conferred by sub-section 3 and 4 of section 13 of the Central Sales Tax Act, 1956 (Act No. 74 of 1956), and all other powers enabling it in this behalf, the Lt. Governor of the National Capital Territory of Delhi, hereby, makes the following rules further to amend the Central Sales Tax (Delhi) Rules, 2005, namely:

**1. Short title and commencement.**— (1) These rules may be called the Central Sales Tax (Delhi) [Amendment] Rules, 2014.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Delhi Gazette.

**2. Amendment of rule 4.**— In the said rules, rule 4, shall be substituted, namely -

“(1) In addition to the returns required under rule 3, every dealer shall also furnish to the Commissioner, a Reconciliation Return for a year in Form 9 relating to receipt of declarations / certificates (hereinafter referred to as ‘statutory forms’) within a period of six months from the end of the year to which it relates. The return shall be filed electronically:

PROVIDED that the return can be filed for a quarter or more than one quarter of the year, any time during the year but not later than the limitation period specified in sub-rule(1):

PROVIDED ALSO that provisions of sub-rule (5) of rule 5, clause (a) of sub rule (5) of rule 7, sub-rule(2) of rule 9, rule 6A and rule 6B shall not apply in so far as periodicity of filing of reconciliation return and furnishing of declaration(s) / certificate(s) is concerned.”

(2) The statutory forms received in original, in lieu of concessional sale or stock transfer shall be retained by the dealer with him. The Commissioner may direct the dealer to furnish such forms as and when required by him during a period of seven years from the end of the year to which the forms relate.

(3) The return in Form 9, may be revised by the end of the financial year next to which it relates:

PROVIDED that the Commissioner may extend the period of revision by three months after end of the limitation period of revision.

PROVIDED FURTHER that notwithstanding anything contained in these rules or the DVAT Rules, 2005, no further extension in the time period for such revision shall be permissible.

Explanation - The word ‘year’ and ‘quarter’ for the purposes of these rules have the same meaning as defined in Delhi Value added Tax Act, 2004 and rules framed there under.”

**3. Insertion of rule 10A.**— In the said rules, after rule 10, the following shall be inserted, namely :-

“**10A Amendment and Cancellation of Registration Certificate:**— The application for cancellation of registration can be filed in Form 10 and application for amendment of the registration can be filed in Form 11. The applications shall be processed in the manner specified under the Delhi Value Added Tax Act, 2004 and rules framed there under.

**4. Amendment in CST Form-1.**— In the said rules, in forms appended thereto, in CST Form -1.-

(i) The block R10 and R11 shall be omitted.

(ii) Block ‘R12 verification’ is renumbered as block ‘R10 verification’.

**5. Insertion of Form-9, Form-10, Form-11.**— In the said rules, in forms appended thereto, Form, 9, 10, and 11 shall be inserted, namely:-



(Amount in Rs.)

**R5 – Payment details relating to Col. 5 of R4**

**R6 - Detail of the forms Received (C/E-I/E-II/F/H/I/J Forms)(Relating to R3)**

**R7 – Pendency of forms pertaining to preceding three years before the year for which the return is being filed**

#### R7.1 Assessment details of the cases assessed for deficiency of statutory forms

**R7.2 – Payment details relating to Col. 6 of R7.1**

1013 D G/14-5

[illegible]

Sr. No.	Date of payment	Challan ID	Name of Bank Branch	Amount paid (Rs.)		
				Tax	Interest	Total
1	2	3	4	5	6	7
	<b>Total</b>					

[illegible]

**R8 – Verification**

I/We \_\_\_\_\_ hereby solemnly affirm and declare that the information given hereinabove is true and correct to the best of my/our knowledge and belief and nothing has been concealed therefrom.

Signature of Authorised Signatory

Full Name (*first name, middle, surname*) \_\_\_\_\_

Designation/Status \_\_\_\_\_

Place \_\_\_\_\_

Date		
	Day	

Month	

Year			

**Instructions –**

1. The return is to be filed annually by the dealers who have effected central sale / stock transfer against statutory forms during the year or quarter as the case may be. The details of the forms received have to be provided quarter wise. It can be filed for one tax period or more than one tax period but for inclusion of information for remaining tax periods or the year, the original return filed already is to be revised. The revised return shall be inclusive of the information of earlier tax periods of the year. Return can also be revised for updating /correcting the information already filed within prescribed period. The latest return original or revised shall be recognised for all purposes of the Act or Rules.
2. Turnover means sale turnover as defined in section 2(1)(zm) of Delhi Value Added Tax Act, 2004 and 2(j) of Central Sales Tax Act, 1956 and effected against the forms. It will include turnover of stock transfer also. The turnover reported in the latest return (CST Form 1) should be reported.
3. Sold goods returned by buyer /consignee/branch within the prescribed period should be reported against the quarter in which the goods were sold/supplied initially.
4. Value of forms may be quoted as mentioned on the declaration / certificate (form) in block R3 and R6. However, for the purpose of column 6 in R7, net sale value of goods excluding CST/freight or goods returned etc. involved in the forms received, is to be mentioned.
5. Excess value of form means if form is inclusive of CST or any other charges like transport etc. or value of sold goods returned. Value over & above taxable turnover is the excess value of the form(s). The details of forms for Sale / stock transfer effected in a tax period should be reported against that tax period only irrespective of whether the goods have been received by buyer/transferee in the subsequent tax period.
6. Pendency of forms means the turnover for which forms have not been received till filing of the return.
7. Registration No. / TIN of issuing dealer /Party means the dealer who has issued forms to the dealer against concessional sale, stock transfer or transit sale.
8. Rate of tax under DVAT Act means rates specified in schedules appended to Delhi Value Added Tax Act, 2004.
9. For the purpose of Block R 3 and R 7, turnover of all kinds of sale / stock transfer should be reported before the row of 'Total'. Normal sale against 'C' forms and sale in transit against 'C+E-I/E-II' should be shown separately. In case of transit sale, details of forms 'C' & 'E-I/E-II' are to be provided separately. The details of 'C' forms for transit sale shall be provided in upper row mentioning 'C+E-I' or 'C +E-II' in Col. 3 of R3 and col. 4 of R7.3 i.e. 'Type of form'. For working out tax liability, if form C is not received, irrespective of whether E-I /E-II has been received or not, then tax rate applicable under DVAT Act shall be applicable on the turnover for which 'C' form has not been received. If form 'C' is received, irrespective of whether E-I /E-II has been received or not, then tax liability will be 'Nil' for the purpose of said row but the liability will be worked out on the basis of details to be provided in the lower rows meant for form 'E-I/E-II'.

For the lower rows in block R3 and R7.3 relating to details of form 'E-I/E-II', the turnover for E-I/E-II shall be the turnover of sale and not the purchase turnover for which E-I/E-II is received from the seller. The tax liability shall be worked out @2% in cases where form 'C' has been received but form 'E-I/E-II' has not been received. In other words, such transaction shall be similar to the normal sale against 'C' form. In all other cases of transit sale, the tax liability against 'E-I/E-II' forms whether received or not shall be 'NIL' for the purpose of lower rows.

The total tax liability shall be the sum of tax liability of upper and lower rows.

- |      |  |  |  |
|------|--|--|--|
|      |  |  |  |
| Year |  |  |  |



**स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग  
अधिसूचना**

दिल्ली, 5 मार्च, 2014

सं0फा0 13(43)/09/विविध/डीसी/सर्त./3355-3363.— इस संबंध में दिनांक 26 अगस्त, 2010 को जारी अधिसूचना फा. 21/60/2001/स्वा0 एवं परि. कल्या./एसएस 1 एचएफडब्ल्यू/5-14 के अधिक्रमण में, ऐसे अधिक्रमण से पहले की गई बातें या की जाने के लिये हटाई गई बातों को छोड़कर और औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 (1940 का 23) की धारा 36कख की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल, दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श करके इसके द्वारा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के प्रत्येक जिले के अपर सत्र न्यायाधीश-01 के न्यायालय को अपमिश्रित औषधियों या नकली औषधियों से संबंधित अपराधों तथा धारा 13 के खंड (क) एवं (ख), धारा 22 के उपधारा (3), धारा 27 के खंड (क) एवं (ग), धारा 28, धारा 28क, धारा 28ख और धारा 30 की उप-धारा (1) के खंड (ख) के अन्तर्गत दंडनीय तथा अपमिश्रित औषधियों या नकली औषधियों से संबंधित अन्य अपराधों के लिये और औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के चौथे अध्याय के अन्तर्गत दंडनीय सभी अन्य अपराधों के विचारण के लिये भी विशेष न्यायालय के रूप में तत्काल पदनामित करते हैं।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल  
के आदेश से तथा उनके नाम पर,  
सुषमा सिंह, उप-सचिव

**DEPARTMENT OF HEALTH AND FAMILY WELFARE  
NOTIFICATION**

Delhi, the 5th March, 2014

No. F. 13(43)/09/Misc/DC/Enft/3355-3363.— In supersession of notification No. F. 21(60)/2001/h&fw/ss1hfw/5-14 dated 26<sup>th</sup> August, 2010 issued in this regard, except as respects of things done or omitted to be done before such supersession and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 36AB of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940), the Lt. Governor of the National Capital Territory of Delhi, in consultation with the Chief Justice of the High Court of Delhi, hereby designates the Court of Additional Sessions Judge-01, in each district of the National Capital Territory of Delhi, as Special Court for their respective Sessions Division for trial of offences relating to adulterated drugs or spurious drugs and punishable under clauses (a) and (b) of section 13, sub-section (3) of section 22, clauses (a) and (c) of section 27, section 28, section 28A, section 28B and clause (b) of sub-section (1) of section 30 and for other offences relating to adulterated drugs or spurious drugs and also for all other offences punishable under Chapter IV of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 with immediate effect.

By Order and in the Name of  
the Lt. Governor, National Capital Territory of Delhi,  
SUSHMA SINGH, Dy. Secy.

## विधि, न्याय एवं विधायी कार्य विभाग

## अधिसूचना

दिल्ली, 5 मार्च, 2014

फा. सं. एफ. 5(1)/91-वाद./वॉल-2/उपसचिव विधि/295-307.— दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के उप-राज्यपाल इस सरकार की दिनांक 27 जुलाई 2011 अधिसूचना सं. 5/10/वाद/उपसचिव/2894-2908 उक्त अधिसूचना में इस आषय का संशोधन करते हैं।

1. इस अधिसूचना की तिथि से निम्नलिखित प्रविष्टि हटाई जाएगी अर्थात् :-

4 "श्री दयान कृष्णन"

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उप-राज्यपाल  
के आदेश से तथा उनके नाम पर,  
डॉ. सौरभ कुलश्रेष्ठ, अतिरिक्त सचिव

## DEPARTMENT OF LAW, JUSTICE AND LEGISLATIVE AFFAIRS

## NOTIFICATION

Delhi, the 5th March, 2014

F. No. F. 5(1)/91-Lit./Vol.II/Dy Secy. Law/295-307.— The Lt. Governor of NCT of Delhi is pleased to amend this Government's Notification No. F. 5 (10)/Lit/Dy.Secy. Law/2894-2908 dated 27th July, 2011 to the effect that in the said notification:

1. The following entry shall be omitted w.e.f. from the date of this notification, namely:-

4. "Sh. Dayan Krishnan"

By Order and in the Name of the Lt. Governor of the  
National Capital Territory of Delhi,

Dr. SAURABH KULSHRESHTHA, Addl. Secy.

## व्यापार एवं कर विभाग

## अधिसूचना

दिल्ली, 5 मार्च, 2014

सं.फा. 7(433)/नीति-II/वैट/2012/1016-1026.— मैं, प्रशांत गोयल, आयुक्त, मूल्य संवर्धित कर, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार, दिल्ली मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2004 की धारा 70 की उप-धारा (3) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा मुझे प्रदत्त की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस विभाग की अधिसूचना संख्या सं. फा. 7/433/नीति-II/वैट/2012/1332-1342 दिनांक 28-02-2014 का आंशिक संशोधन करते हुए वेब आधारित मोबाइल अप्लीकेशन/एसएमएस के द्वारा टी-2 विवरण को संक्षिप्त रूप से प्रस्तुत करने के प्रारूप को संशोधित करता हूँ। जो निम्न प्रकार है:

T2<space>Invoice No.<space>Delhi VAT Rate<space>VAT Rate wise actual invoice amount.

तथापि ऑन लाइन विवरण प्रस्तुत करने के लिए फार्म टी-2 को भी संशोधित किया जाता है। संशोधित फार्म टी-2 संलग्न है।

उपर्युक्त अधिसूचना की बाकी सामग्री उसी प्रकार रहेगी।

प्रशांत गोयल, आयुक्त, मूल्य संवर्धित कर

1013 D G/14-7

## प्रपत्र टी-2

## 1. इनवाइस विवरण

इनवाइस संख्या	इनवाइस दिनांक	कुल इनवाइस मूल्य (सी एस टी तथा माल भाड़ा के साथ)

## 2. खरीद का प्रकार

## 3. विक्रेता की पहचान

क्रम संख्या	विवरण	सूचना
1.	टिन	
2.	नाम	
3.	पता	
4.	मोबाईल नं०	
5.	राज्य	
6.	नगर	

## 4. माल के आगमन का विवरण

क्रम संख्या	विवरण	सूचना
1.	माल को दिल्ली में प्रवेश करने की संभावित तिथि	
2.	माल को दिल्ली में प्रवेश करने की तिथि, यदि फार्म टी-2 का विवरण दिल्ली में माल के आने के 24 घंटे के भीतर दिया जा रहा है।	

## 5. माल का विवरण

क्रम संख्या	विवरण	सूचना
1.	नाम	
2.	दिल्ली वैट दर (%)	
3.	मात्रा	
4.	यूनिट	
5.	मूल्य प्रति यूनिट (रुपये)	
6.	मूल्य (सी एस टी तथा माल भाड़ा के साथ)	
7.	कुल मूल्य (इनवाइस में सम्मिलित सभी माल के संदर्भ में— सी एस टी तथा माल भाड़ा के साथ)	

-2-

## 6. यातायात के साधन

क्रम संख्या	विवरण	सूचना
1.	सड़क मार्ग द्वारा	
2.	सड़क मार्ग, एनसीआर से गैर-वाणिज्यिक वाहन द्वारा	
3.	कोरियर द्वारा	
4.	रेल द्वारा	
5.	पाइप लाइन द्वारा	
6.	वायु मार्ग द्वारा	
7.	इंटरनेट द्वारा	
8.	बिक्री के लिए नई मोटर गाड़ी	

## 7. डिस्पेच संबंधी विवरण

क्रम संख्या	विवरण	सूचना
1.	वस्तुओं के डिस्पेच का स्थान	
2.	वस्तुओं की डिलीवरी का स्थान	दिल्ली

## 8. यातायात का विवरण

क्रम संख्या	विवरण	सूचना
1.	नाम	
2.	पता	
3.	राज्य	
4.	नगर	
5.	वाहन संख्या	
6.	मोबाईल नं.	
7.	चालक का लाईसेंस नं.	
8.	जी.आर./एयरवेज संख्या/आर.आर./कॉरियर पावती/इंजन नं.	
9.	जी.आर. की दिनांक	
10.	पाइपलाइन का मालिक	
11.	वेब लिंक	

टीप:- प्रत्येक इन्वाइस के लिए अलग-अलग फॉर्म टी-2 फाइल किया जायेगा ।

## DEPARTMENT OF TRADE AND TAXES

## NOTIFICATION

Delhi, the 5th March, 2014

**No.F.7(433)/Policy-II/VAT/2012/1016-1026.**—In exercise of the powers conferred under sub-section (1) read with sub-section (3) of section 70 of the Delhi Value Added Tax Act, 2004 and in partial modification of Notification No.F.7(433)/Policy-II/VAT/2012/1332-1342 dated 28-02-2014, I, Prashant Goyal, Commissioner, Value Added Tax, Government of NCT of Delhi, hereby revise the format for submission of T-2 details in summarised form through a web based mobile application/SMS, as under:

**T-2<space>Invoice No.<space>Delhi VAT Rate<space>VAT rate wise actual invoice amount.**

Further, the T-2 form for furnishing online details is also revised. The revised Form T-2 is annexed.

Rest of the contents of the above said notification shall remain unchanged.

PRASHANT GOYAL, Commissioner, Value Added Tax

## FORM T-2

## 1. Invoice Details

Invoice No.	Invoice Date	Total Invoice Amount (Including CST & Freight etc.)

## 2. Purchase Type -

## 3. Suppliers Detail -

Sr. No.	Description	Information
1.	TIN	
2.	Name	
3.	Address	
4.	Mobile No.	
5.	State	
6.	City	

**4. Goods Arrival detail**

Sr. No.	Description	Information
1.	Date on which goods are likely to enter Delhi	
2.	Date on which goods entered Delhi, if Form T-2 is filed within 24 hours of entry of goods in Delhi	

**5. Commodity Details**

Sr. No.	Description	Information
1.	Name	
2.	Delhi VAT Rate (%)	
3.	Quantity	
4.	Unit	
5.	Price per Unit (Rs.)	
6.	Amount (Excluding CST & Freight etc.)	
7.	Total Amount (All commodities of the invoice, excluding CST & Freight etc.)	

**6. Mode of Transport**

Sr. No.	Description	Information (Tick )
1.	By Road	
2.	By Road, from NCR in Non-Commercial Vehicle	
3.	Through Courier	
4.	By Train	
5.	Through Pipeline	
6.	By Air	
7.	Through Internet	
8.	New Vehicles for sale	

**7. Dispatch Detail**

Sr. No.	Description	Information
1.	Place of dispatch of goods	
2.	Place of delivery of goods	Delhi

**8. Transporters Detail**

Sr. No.	Description	Information
1.	Name	
2.	Address	
3.	State	
4.	City	
5.	Vehicle No.	
6.	Mobile No.	
7.	Driving License No.	
8.	GR /Airways /RR/Courier receipt /Engine No.	
9.	Date of GR	
10.	Owner of Pipeline	
11.	Web link	

**Note -** A separate T-2 Form has to be filed for each invoice.